

कुंभ मेला 2025 के लिये डिजिटल टिकट बुकगि

चर्चा में क्यों?

हाल ही में रेलवे ने [कुंभ मेला 2025](#) से पहले यात्रियों के लिये टिकट बुकगि को डिजिटल बनाने हेतु स्वयंसेवकों के लिये QR स्कैनर युक्त जैकेट पेश किये हैं।

मुख्य बडि

- अधिकारियों की तैनाती:
 - प्रयागराज मंडल के [उत्तर मध्य रेलवे](#) के अधिकारी पीछे QR कोड लगे फ्लोरोसेंट हरे रंग के जैकेट पहनेंगे।
 - भक्तजन अनारक्षति टिकट प्रणाली (UTS) मोबाइल ऐप तक पहुँचने के लिये QR कोड को स्कैन कर सकते हैं।
 - यह ऐप यात्रियों को लंबी कतारों से बचाकर [डिजिटल रूप से अनारक्षति टिकट बुक करने की सुविधा देता है।](#)
 - इस आयोजन के दौरान रेलवे **10,000 से अधिक नयिमति ट्रेनें** और 3,000 से अधिक **वशिष ट्रेनें** चलाएगा।
- महाकुंभ रेल सेवा 2025 ऐप:
 - रेलवे ने ट्रेनों की समय-सारणी, गेस्ट हाउस की जानकारी, हेल्पलाइन नंबर आदि जानकारी देने के लिये **एक ऐप और पोर्टल लॉन्च किये** हैं।
 - 1.3 लाख श्रद्धालुओं की क्षमता वाले 28 अतिथि गृहों में आगंतुकों के लिये व्यवस्था की जाएगी।
 - 1 नवंबर, 2024 से एक **टोल-फ्री नंबर 1800-4199-139 सक्रिय हो गया है।**
 - 1 जनवरी, 2025 से यह **हेल्पलाइन 24x7 संचालित होगी, जिसमें ओडिया, तमिल, तेलुगु, मराठी और बंगाली में कुशल बहुभाषी कॉल ऑपरेटर होंगे।**
 - रेलवे की घोषणाएँ हदि, अंगरेज़ी, गुजराती, मराठी, तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, बंगाली, ओडिया, पंजाबी और असमिया सहित **12 भाषाओं में की जाएंगी।**

कुंभ मेला

- परचिय:
 - यह धरती पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतपूरण समागम है, जिसके दौरान प्रतभागी पवतिर नदी में स्नान या डुबकी लगाते हैं। यह समागम 4 अलग-अलग जगहों पर होता है, अर्थात्-
 - हरदिवार में, गंगा के तट पर।
 - उज्जैन में, [शपिरा](#) के तट पर।
 - नासकि में, [गोदावरी](#) (दक्षिण गंगा) के तट पर।
 - प्रयागराज में, गंगा, यमुना और पौराणिक अदृश्य [सरस्वती के संगम](#) पर।
 - कुंभ के वभिन् प्रकार:
 - कुंभ मेला 12 वर्षों में 4 बार मनाया जाता है।
 - हरदिवार और प्रयागराज में, [अर्द्ध-कुंभ मेला](#) हर छठे वर्ष आयोजित किये जाता है।
 - महाकुंभ मेला 144 वर्षों (12 'पूर्ण कुंभ मेलों' के बाद) के बाद प्रयाग में मनाया जाता है।
 - प्रयागराज में हर साल माघ (जनवरी-फरवरी) महीने में माघ कुंभ मनाया जाता है।